मेरे बजरंगबली कैसे लंका जली भजन लिरिक्स

मेरे बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया,
मच गई खलबली,
ना किसी की चली,
सोने की लंका जलाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।bd।

तर्ज – मेरे रश्के कमर।

माता सीता की खोज में तुम तो गये,
अशोक वाटिका में सीता मां के,
सन्मुख भये,
बाग ऐसा उजाड़ा रखवारे थे बली,
मार सबको भगाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।bd।

ब्रह्मास्त्र में बंधे आये दरबार में,
पूंछ कपड़ा लपेटे न रहा दरबार में,
लंबी पूंछ बढ़ी उसमें तेल घी डली,
आग उसमें लगाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।bd।

मेरे बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया,
मच गई खलबली,
ना किसी की चली,
सोने की लंका जलाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।bd।

गीतकार व गायक – संजू वाडीवा।
9893323746

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com